मुस्कराहट बांटते बच्चे

सिर्फ नौ साल की है ऋशा शुक्ला। इस नन्ही उम्र में ही पेट की गंभीर बीमारी के कारण उसकी जिंदगी अक्सर दर्दभरी होती है। लेकिन इर्विन, कैलिफोर्निया की यह बच्ची अपनी पीड़ा को भुलाकर दूसरे बच्चों में खुशियां बांटने में जुटी रहती है। छह साल पहले पता चला कि उसके अग्नाशय में सूजन है जिससे उसके पेट में दर्द रहता है। यह रोग बच्चों में विरले ही होता है। वर्ष 2004 में ऋशा ने *किड्स हू केयर* फाउंडेशन की स्थापना की जो अस्पताल में भर्ती बच्चों को खुशनुमा संदेशों और चित्रों से बने कार्डों को जोड़कर बनाए पोस्टर भेजती है। मार्च 2004 में ऑपरेशन के बाद लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उसके मित्रों ने उसे इसी तरह के शुभकामना संदेशों के पोस्टर भेजे थे। शुरुआती शिक्षा से जुड़े ब्राइवुड स्कूल की यह छात्रा बताती है, ''संदेशों और चित्रों के पोस्टर पाकर मैं बहुत खुश हुई। इस से मेरा कमरा रंगीन और बहुत अच्छा लगने लगा। दूसरे बच्चों के लिए भी मैं ऐसा ही कुछ करना चाहती थी।''

ऋशा चार और तरह की लाइलाज बीमारियों की भी शिकार है और कभी-कभी वह कई-कई दिनों तक दर्द से दोहरी हुई रहती है लेकिन उसका अभियान उसे शक्ति देता है। वह हर तीसरे महीने कार्डों के पोस्टर बनाने के लिए पार्टी का आयोजन करती है। इसमें उसके पड़ोसी, 7 वर्षीय बहन रिया, उगांडा में जन्मे उसके पिता चेतन और मुंबई में जन्मी मां अनीषा मदद करती हैं। बच्चे स्टिकरों, चमकीली चीजों, चित्रों और चुटकलों के जरिये शोख-चमकीले शुभकामना कार्ड बनाते हैं जिनमें जल्दी स्वस्थ होने की आशा जताई गई होती है। ऋशा अपने इलाके के स्कूलों में जाकर कार्ड बनाने में मदद मांगती है।

फाउंडेशन के तीन कार्यक्रम हैं: *द किड्स हू केयर क्लब* जो शुभकामना संदेशों वाले कार्ड पोस्टर भेजता है, इंटरनेट पर माई जर्नल जिसमें अस्पताल में भर्ती बच्चों के माता-पिता अपने अनुभवों को एक-दूसरे से बांटते हैं और अग्नाशय में सूजन की बीमारी से जुड़ा एक ऑनलाइन मंच।

क्लब ने अब तक 3000 से भी अधिक कार्ड बनाकर 165 कार्ड पोस्टर भेजे हैं। इसकी वेबसाइट (http://www.kidswhocareclub.org/) पर पूरे अमेरिका और अन्य देशों से शुभकामना कार्डों के पोस्टर भेजने की मांग की जाती है।

ऋशा को अन्य सम्मानों के अलावा इस साल फरवरी में ऑरेंज काउंटी, कैलिफोर्निया के मिशन हॉस्पिटल के स्पिरिट ऑफ गिविंग कार्यक्रम के तहत 'हीरो किड ऑफ द इयर' चुना गया। अप्रैल में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, इर्विन में नेशनल एंड ग्लोबल यूथ सर्विस डे के भोज के अवसर पर उसने बच्चों द्वारा स्वैच्छिक सेवा के लाभों के बारे में अपने विचार रखे। **-दीपांजली काकाती**

ऊपर: ऋशा (बाएं) अपनी बहन रिया के साथ
दाएं: लिंडा विस्टा प्राथमिक विद्यालय, मिसिन विजो, कैलिफोर्निया के छात्र मिलजुलकर कार्ड पोस्टर तैयार कर रहे हैं।

साभार: किड्स हू केयर फाउंडेशन